बाबा मुक्तानन्द की सिखावनियाँ

इस पूरे वर्ष, विश्वभर के सिद्धयोगी श्रीगुरुमाई के वर्ष २०१८ के सन्देश : 'सत्संग' का अध्ययन व परिपालन कर रहे हैं।

श्रीगुरुमाई के गुरु, बाबा मुक्तानन्द ने सत्संग की यानी सत्य के सान्निध्य में रहने की महिमा पर सदैव बल दिया। अपनी विश्वयात्राओं के दौरान, बाबा जी ने अनगिनत लोगों को सत्संग का अनुभव प्रदान किया; उन्होंने लोगों के लिए यह सम्भव बनाया कि वे अपने जीवन में सत्संग की रूपान्तरणकारी शक्ति का अनुभव कर सकें।

यहाँ दी गई सिखावनियों में बाबा जी सत्संग का गुणगान करते हैं और इसके महत्त्व, लाभों व इसकी शक्ति के बारे में समझाते हैं। बाबा जी के वचनों का अध्ययन कर हम सच्चे अर्थों में सत्संग के विषय में अपनी समझ को विकसित करते हैं और यह भी जान जाते हैं कि कैसे सत्संग उस सत्य को प्रकट करता है जो हमारे अन्दर विद्यमान है, उस सत्य को जो स्वयं हम ही हैं।

जब आप बाबा जी के वचनों को पढ़ें व उन पर मनन करें तो स्वयं से ये प्रश्न पूछकर आप सिद्धयोग का अभ्यास 'आत्मविचार' भी कर सकते हैं —

- सत्संग के विषय में बाबा जी की सिखावनियों को मैं अपने दैनिक जीवन के साथ कैसे जोड़ सकता हूँ?
- मुझे किस तरह की अभिवृत्ति या दृष्टिकोण अपनाना चाहिए ताकि मैं सत्संग के अनुभव को खुले हृदय से अंगीकार कर सकूँ?
- किस तरीक़े [या किन तरीक़ों] से मैंने सत्संग की रूपान्तरणकारी शक्ति का अनुभव किया है?

आप अपनी जर्नल में लिख सकते हैं कि आपने बाबा जी की सिखावनियों से क्या सीखा है; साथ ही यह भी लिख सकते हैं कि आपने जो सीखा है उसे आप सत्संग में भाग लेने के लिए किस प्रकार लागू करेंगे व श्रीगुरुमाई के वर्ष २०१८ के सन्देश के अपने अध्ययन में किस प्रकार लागू करेंगे।

© २०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।